Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

an>

Title: Regarding excesses being committed against workers, embassy officials and lawyers abroad.

सभापति महोदय : इस विाय पर अब कल चर्चा होगी। अब स्पेशल मैंशन लेंगे। एक मिनट से ज्यादा समय मत लीजिए, माननीय सदस्यगण, कृपया समय का ख्याल रखिये। श्री शैलेन्द्र कुमार।

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल):माननीय सभापति महोदय, मैं लोक महत्व के इस प्रश्न को आपके माध्यम से सदन में रखना चाहूंगा। भारतीय मूल के जो लोग इस वक्त विदेशों में हैं, उनके ऊपर जबरदस्त घोर अत्याचार, अन्याय और शोाण हो रहा है, जिसका संज्ञान समय-समय पर सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार को दिया गया है। अभी भारतीय मूल के 41 मजदूर अफगानिस्तान गये थे। उनका पीरियड भी पूरा हो गया है, जो भी 2-4-5 साल का एग्रीमेंट होता है, उनका वर्क परमिट पीरियड होता है, लेकिन उनके साथ वहां पर अमानवीय बर्ताव किया जा रहा है। अफगानिस्तान में, इस समय भारतीय लेबर यूनियन ने भारतीय दूतावास पर भी धरने का प्रदर्शन किया था। न तो उनको वेतन दिया जा रहा है, न कोई मानदेय दिया जा रहा है। यहां तक कि मजदूरों को धमकी दी जा रही है कि तुम्हारी आंख निकाल लेंगे, तुम्हारा गुर्दा निकाल लेंगे। इस तरह से 41 मजदूर अफगानिस्तान में फंसे हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से चाहूंगा कि जिस भी दूतावास से, विदेश मंत्री के माध्यम से हो, इस पर पहल करें। दूसरी घटना...(व्यवधान)

सभापति महोदय:दूसरी घटना नहीं, आप एक विाय पर एक ही घटना बोल सकते हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार :भारतीय मूल के जो लोग वहां हैं...(व्यवधान)

सभापति महोदय:आपका ऑपरेटिव मेन बिन्दु तो आ ही गया है। आपने कह दिया कि कूटनीतिक तरीके से दूतावास से सम्पर्क करें।

श्री शैलेन्द्र कुमार : ब्रूसेल्स के दूतावास में जो अधिकारी हैं,...(व्यवधान)उसके वकील पर भी यह हुआ। इसी प्रकार लन्दन में एक जो छात्र बच्चा था, सिख था, उसके केश काटे गये, जो धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है। उसके कारण भी काफी आन्दोलन है। हमारे भाई रवि वर्मा जी यहां बैठे हैं, इनके क्षेत्र लखीमपुर खीरी का एक व्यक्ति सरदार तरसेम सिंह कुवैत में है। वह तीन साल से नहीं आ पा रहा है। जो एग्रीमेंट हुआथा, उस परमिट पीरियड से ज्यादा उसको रोक लिया। उनकी मां बीमार है, घर की हालत खराब है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा...(व्यवधान)

सभापति महोदय:आप डिमांड बोलिये, उसमें आपका क्या सुझाव है।

श्री शैलेन्द्र कुमार : चाहे वह ब्रूसेल्स का हो, अफगानिस्तान का हो, लन्दन का हो या कुवैत का हो, यह मामला बहुत गम्भीर है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहूंगा कि दूतावास से विदेश मंत्रालय से बात करके इन लोगों को कम से कम संरक्षण दें और हमारे जो भारतीय वहां फंसे हैं, जिनके ऊपर अत्याचार, अन्याय और शोाण हो रहा है, उनको वापस बुलाया जाये, ताकि वे अपने घर में अपने मां-बाप, बाल-बच्चों के साथ रह सकें।

इसके बाद मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।